गुजरात में हुई बस दुर्घटना में डूंगरपुर और बांसवाड़ा के सात लोगों की मौत

27 यात्री घायल हुए, हादसे के समय बस में अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे

डूंगरपुर, (निसं)। गुजरात के वड़ोदरा शहर में बुधवार तड़के हुए सड़क हादसे में नौ साल के बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 यात्री घायल हो गए। मरने वाले सभी लोग डूंगरपुर और बांसवाड़ा के रहने वाले थे। बांसवाड़ा से सूरत (गुजरात) जा रही बालाजी ट्रैवल्स की स्लीपर बस कोटंबी स्टेडियम (वड़ोदरा) के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे के समय अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

- बांसवाड़ा से सूरत जा रही बालाजी ट्रैवल्स की स्लीपर बस वड़ोदरा के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई
- प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार या ड्राइवर की लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है, जांच शुरु

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना सुबह करीब चार बजे हुई। दुर्घटना के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ एनडीआरएफ और वड़ोदरा अग्निशमन विभाग की टीमें पहुंचीं। एनडीआरएफ की छठी बटालियन के कमांडेंट सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह 4.40 बजे कंट्रोल रूम को दुर्घटना की सूचना मिली थी। टीम ने आधुनिक उपकरणों और कटिंग मशीनों की सहायता से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जिले के पाडवा की रहने वाली पिंकी भाटिया, डूंगरपुर के टामटिया की रहने वाले प्रीत पुत्री हितेश भाटिया, डूंगरपुर निवासी महेंद्र कुमार पुत्र भोगीलाल पांड्या, डूंगरपुर के सागवाड़ा निवासी विनोद पुत्र नरेश डामोर और ड्राइवर डूंगरपुर के राजवाड़ा निवासी ड्राइवर मुकेश पुत्र जीवाजी डिंडोर की मौत हो गई। इसके अलावा मृतकों में हरजिंगभाई वलजीभाई कटारा और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल है। प्रीत की मां पायल नाई घायल हो गई है। बच्चे की मौत और महिला के घायल होने की खबर के बाद परिवार के लोग वडोदरा के लिए रवाना हो गए हैं। गांव में भाटिया समाज के चार घर हैं, जो एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। इसी क्रम में घायलों में पायल नाई, पिंकी रावल, मनीषा रावल, रामचंद्र डोरिया, शिल्पा पाटीदार, महेंद्र कटारा, आशीष यादव, आशीष कटारा, बंसीलाल राणे, जीवराज भाई, गुंजनबेन, नाराचया, पिंटू चरपोट, विजय कटारा, भैरूलाल मीना, सीमा यादव, सागर कटारा, भगवती भाई, कल्पेश गौर, पैलबेन नाई, शील, सुरेशभाई डिंडोर, रमेशभाई, पंकज भाई चरपोट, कमलेश भाई कटारा, मायाबेन पाटीदार सहित अन्य यात्री शामिल हैं।

वडोदरा के एसएसजी अस्पताल के आरएमओ डॉ. हितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि हादसे के बाद 27 घायलों को हॉस्पीटल लाया गया है। इसमें से 2 की हालत गंभीर है। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया है। डॉक्टरों ओर नर्सिंगकर्मियों की टीम अलर्ट मोड में हैं। फिलहाल दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार या ड्राइवर की लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए ट्रैफिक जाम हो गया। बाद में ट्रक और क्षतिग्रस्त बस को हटाकर यातायात सुचारु कर लिया गया था। हादसे की सूचना मिलते ही बस में सफर कर रहे यात्रियों के परिजनों में चिंता बढ़ गई। कई परिवार फोन और अन्य माध्यमों से अपने रिश्तेदारों की जानकारी जुटाने में लगे रहे।

अलवर के मालाखेड़ा में जमीन विवाद में फायरिंग, एक घायल

जमीन के टुकड़े को लेकर सगे भाई और करीबी रिश्तेदार का विवाद बताया जा रहा है

अलवर, (निसं)। अलवर के मालाखेड़ा थाना इलाके के बडेर गांव में जमीन के एक टुकड़े को लेकर दो परिवारों के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया कि बात सीधे लाठी-डंडों, पथराव और खुलेआम फायरिंग तक पहुंच गई। इस हिंसक झड़प में एक व्यक्ति के पैर में गोली लग गई, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने

- ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की

मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस खूनी संघर्ष में आमने-सामने आए दोनों पक्ष कोई और नहीं, बल्कि आपस में सगे भाई और करीबी रिश्तेदार हैं।

इन दोनों भाइयों के बीच काफी लंबे समय से पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर आपसी मनमुटाव और कानूनी विवाद चल रहा था। बीते सोमवार को एक पक्ष ट्रैक्टर लेकर विवादित खेत को जोतने के लिए पहुंच गया। जब दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया, तो पहले उनके बीच तीखी कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और फिर लाठी-डंडों से मारपीट में बदल गई।

महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में कुड़ी भगतासनी पुलिस थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पूर्व मित्र पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि अश्लील वीडियो और फोटो से उसे ब्लैकमेल कर सार्वजनिक करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता की रिपोर्ट पर अब जांच की जा रही है। पुलिस को दी रिपोर्ट में पीड़िता ने बताया कि करीब दस-बारह वर्ष पूर्व उसकी एक युवक से दोस्ती हुई और बाद में दोनो के बीच घनिष्ठता बढ़ने पर संबंध भी बन गए। इस दौरान उसके वीडियो और फोटोग्राफ्स भी खींच लिए गए। आरोपी युवक ने शादी के बाद भी उसका पीछा नहीं छोड़ा और फोटो वीडियो सार्वजनिक करने की धमकियां दे रहा है।

सीकर में 30 साल के युवक की संदिग्ध मौत

सीकर, (निसं)। सीकर में 30 साल के युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। युवक का शव रेस्टोरेंट के एक कमरे में मिला। परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। हालांकि परिजन मोर्चरी के बाहर धरने पर भी बैठे रहे। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार शव मिलने की सूचना पर परिजन रेस्टोरेंट पहुंचे तो मृतक की नाक पर चोट के निशान मिले। उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया। परिजनों ने कहा कि जिस रेस्टोरेंट पर विजय का शव मिला है, उसके जरिए ही 27 मई को विजय ने एक प्लॉट करीब 30-35 लाख रुपए में बेचा था।

एसएचओ गोकुलपुरा प्रीति बेनीवाल ने बताया कि मंगलवार शाम दासा की ढाणी फाटक के पास स्थित शेखावाटी रेस्टोरेंट से सूचना मिली कि एक युवक मृत अवस्था में मिला है। ऐसे में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता लग सकेगा। मृतक विजय जांगिड़ (30) पुत्र बनवारीलाल जांगिड़ निवासी राधाकिशनपुरा का रहने वाला था। और फर्नीचर ठेकेदारी का काम करता था। वह सात भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था। विजय मंगलवार सुबह 11:30 बजे अपने घर से निकला था।

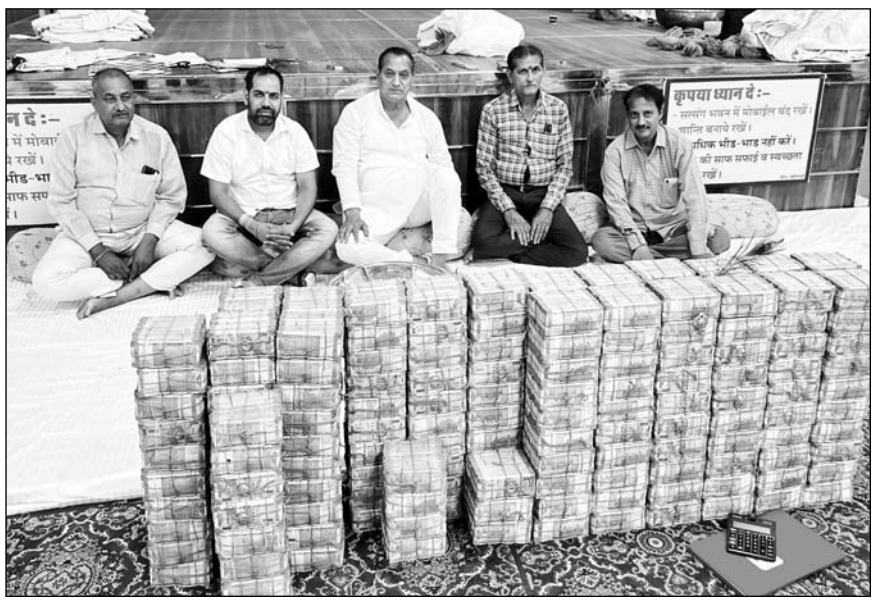

मंडफिया : भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में 14 जून चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती बुधवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थिति में दूसरे चरण में हुई। दूसरे चरण से भंडार से 8 करोड़ 26 लाख 46 हजार 200 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व प्रथम चरण में हुई भंडार गिनती से 17 करोड़ 55 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए थे। दोनों चरणों को मिलाकर 25 करोड़ 81 लाख 46 हजार 200 रुपए नगद प्राप्त हुए। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, संपदा प्रभारी भेरूगिरी गोस्वामी, मनोहर लाल चोबीसा सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

सीकर में युवक और युवती ने सुसाइड किया

सीकर, (निसं)। सीकर में एक युवक और युवती के सुसाइड का मामला सामने आया है। युवक ने सीकर के सदर थाना इलाके के नानी बीहड़ में सुसाइड किया, जबकि युवती ने कोतवाली थाना इलाके में अपने कमरे में सुसाइड कर लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं

सदर थाना इलाके में 22 साल के युवक अभिषेक उर्फ मोनू ने नानी बीहड़ में सुसाइड किया। जिसने पेड़ पर फंदा लगा लिया। सुबह ग्रामीणों की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। मौके से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला। वहीं कोतवाली थाना इलाके में जगमालपुरा फाटक के पास 20 साल की युवती शहनाज ने सुसाइड कर लिया। हैड कॉन्स्टेबल कल्याण सिंह ने बताया कि युवती मानसिक अवसाद में थी, जो मूल रूप से श्रीगंगानगर की रहने वाली है, लेकिन वर्तमान में अपने परिवार के साथ सीकर में ही रहती थी।

नीट अभ्यर्थी उमेश की संदिग्ध मौत मामले की जांच जारी

नवलगढ़/सीकर, (निसं)। नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे 22 वर्षीय छात्र उमेश माली की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने न केवल उसके परिवार बल्कि पूरे शिक्षा जगत को स्तब्ध कर दिया है। नवलगढ़ क्षेत्र के वीणादास की ढाणी कारी निवासी उमेश की मौत के मामले में उद्योग नगर थाना पुलिस गहन जांच में जुटी हुई है। घटनास्थल से एक नोट मिलने के बाद पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार उमेश माली नीट परीक्षा का तीसरा प्रयास कर रहा था। पहले दो प्रयासों में उसने कोचिंग संस्थानों के माध्यम से तैयारी की थी, जबकि इस बार वह घर पर रहकर

- घटनास्थल से एक नोट मिलने के बाद पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है
- पहले दो प्रयासों में कोचिंग संस्थानों के माध्यम से तैयारी की थी, जबकि इस बार घर पर रहकर स्वअध्ययन कर रहा था

स्वअध्ययन कर रहा था। आगामी 21 जून को प्रस्तावित परीक्षा से ठीक पहले हुई इस घटना ने कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार उमेश अपने परिवार के साथ सीकर स्थित एक रेजीडेंसी में रह रहा था। सोमवार सुबह वह अपनी मां को वीणादास की ढाणी छोड़कर वापस लौटा था। उस समय घर में वह अकेला था, जबकि उसकी बड़ी बहन और छोटा भाई कोचिंग के लिए गए हुए थे। दोनों के वापस लौटने पर घटना का पता चला, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए तथा घटनास्थल से मिले नोट को भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नोट में लिखा था, मैं बहुत दूर जा रहा हूं, पता नहीं कहां जा रहा हूं, सॉरी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और सभी तथ्यों का परीक्षण किया जा रहा है।

घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है और विस्तृत बयान अभी सामने नहीं आ पाए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों को लेकर स्पष्ट स्थिति सामने आ सकेगी। फिलहाल पूरे मामले पर क्षेत्रवासियों और विद्यार्थियों की नजरें टिकी हुई हैं। एक होनहार छात्र की असमय मौत ने एक बार फिर युवाओं पर बढ़ते शैक्षिणक दबाव, प्रतियोगी परीक्षाओं की चुनौतियों और परीक्षा व्यवस्था में विश्वास से जुड़े सवालों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

आसाराम की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की तबीयत एक बार फिर अचानक बिगड़ गई है। स्वास्थ्य में गिरावट आने के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एम्स जोधपुर में भर्ती कराया है, जहां डॉक्टरों की एक अलग टीम उनकी जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार आसाराम का पिछले कुछ दिनों से आरोग्यम अस्पताल में इलाज चल रहा था। वहां उनकी सेहत में सुधार न होने और कुछ जांचों की आवश्यकता को देखते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने उन्हें एम्स जोधपुर में शिफ्ट करने के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट के इन्हीं आदेशों की पालना में जेल प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें एम्स पहुंचाया है। आसाराम के समर्थकों की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने कड़ी व्यवस्था की। सेंट्रल जेल और आरोग्यम अस्पताल से लेकर एम्स परिसर तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। पुलिस की गाड़ियों और हथियारबंद जवानों के कड़े घेरे में आसाराम को अस्पताल के भीतर ले जाया गया। एम्स जोधपुर पहुंचने के बाद वरिष्ठ और विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने तुरंत आसाराम के स्वास्थ्य की कमान संभाल ली है।

मसूदा में नील गाय घायल अवस्था में मिली

मसूदा, (कासं)। निकटवर्ती ग्राम देवमगरी बुधवार को एक नील गाय गोली लगने से घायल अवस्था मे मिली। मिली जानकारी के अनुसार नरेगा मेट सांवरलाल साइड पर हाजरी भरने मौके पर पहुंचा, वहां पास में एक नीलगाय घायल मिली, जिसके गोली लगी हुई थी। गोली लगने से घायल नील गाय के जंगली कुत्ते द्वारा उसके कान काट लिए। घटना की जानकारी देव मंडल टीम को मिलने पर ज मौके पर पहुंची। घायल नील गाय को देव मंगरी पशु उप स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। वन विभाग को नील गाय के घायल होने की जानकारी मिलने पर वन विभाग से वनपाल सांवरलाल एवं सेठाराम ने मौके पर पहुंचकर आगे खरवा वन कार्यालय में पहुंचाया। सूचना पर नीलगाय को वंदे गौ मातरम चेरिटेबल ट्रस्ट ब्यावर उपचार के लिए पहुंचा दिया गया है।

नीट पेपर लीक में सरकार ने उचित कार्रवाई नहीं की : सचिन पायलट

राहुल गांधी के दौरे को लेकर सचिन पायलट भी कोटा पहुंचे

कोटा, (निसं)। राहुल गांधी के दौरे को लेकर सचिन पायलट भी कोटा पहुंचे। पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट का सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं में स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा प्रणाली और परीक्षा का व्यवस्था से लाखों बच्चे और परिवार शिकार हो गए हैं। नीट पेपर लीक से 22 लाख बच्चों से धोखा हुआ और उनका विश्वास टूट गया। सीबीएसई

- नीट पेपर लीक से 22 लाख बच्चों से धोखा हुआ : सचिन पायलट

ने कॉपी की चेकिंग में भी प्रॉब्लम आई है। लगातार जवाब देने से भागने का काम सरकार कर रही है। सीबीआई की जांच जारी है, लेकिन अभी तक ना शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया है, ना ही कोई प्रभावी कार्रवाई की है।

पायलट ने कहा कि राहुल गांधी ने अभियान चालू किया है यह देश की भावना से जुड़ा हुआ है। अपना भविष्य ढूंढ रहे देश के नौजवान और मेहनत कर परिवार का पेट काटकर बच्चों को पढ़ा रहे परिवार संकट से गुजर रहे है। इस व्यवस्था ने राजस्थान समेत पूरे देश में कई नौजवानों को आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया है। इस व्यवस्था के विरुद्ध में नौजवान छात्रों से संवाद करने, रिस्पांसिबिलिटी और अकाउंटेबिलिटी तय करने के लिए राहुल गांधी ने मुहिम छेड़ी है। उसकी पहल कोटा से हुई है। बड़ी संख्या में कोटा में बच्चे पढ़ते हैं। साथ ही जो युवा भविष्य के बारे में चिंतित थे उनसे संवाद है। सोई हुई सरकार हर जुर्म से मुंह फेर रही है। कोटा में राहुल गांधी के कार्यक्रम में बच्चों को नहीं भेजने का दबाव बनाया गया, दूसरी तरफ पोस्टर बैनर भी हटाए गए।

जोधपुर के बासनी थाने में पूछताछ के लिए बुलाए युवक ने जहर खाया, मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बासनी थाने में पूछताछ के लिए बुलाए युवक ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान अस्पताल में युवक की मौत हो गई। परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और एम्स अस्पताल में धरने पर बैठ गए। वे पुलिस पर कार्रवाई और आश्रित को सरकारी नौकरी, मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

- इलाज के दौरान अस्पताल में युवक की मौत हो गई, परिजनों ने शव लेने से इनकार किया
- महिला के गायब होने के मामले में युवक को मंगलवार को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था
- परिजनों ने धरना देकर पुलिस पर कार्रवाई और आश्रित को सरकारी नौकरी, मुआवजे की मांग की

पुलिस के अनुसार सर गांव निवासी तीस वर्षीय अमृत वैष्णव की मौत हुई है। महिला के गायब होने के मामले में मंगलवार दोपहर करीब 2.30 बजे पूछताछ के लिए थाने आया था। पुलिस का कहना है कि युवक अपने साथ जहर लेकर आया था। मौका पाकर जहर खा लिया। युवक के चाचा दलपत ने बताया कि अमृत की शादी हो गई थी, लेकिन गौना नहीं हुआ था। वह पिछले कुछ साल से एक महिला से बात करता था। वह महिला 11-12 दिन पहले घर से गायब हो गई। उसके परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में 12 जून को अमृत को पूछताछ के लिए बासनी थाने बुलाया गया था। मैं भी उसके साथ आया था। पुलिस ने पूछताछ के बाद वापस भेज दिया। दलपत ने बताया कि सोमवार शाम को हैड कॉन्स्टेबल सतपाल सिंह का कॉल आया, उसने कहा था कि यदि मंगलवार को वह महिला नहीं मिली तो तुम्हें अंदर डाल दूंगा। इसके चलते भतीजा टेंशन में आ गया था। वह रात भर सो नहीं पाया। 16 जून को सुबह जल्दी थाने से कॉल आ गया। भतीजे ने उसे दोपहर में बताया कि पुलिस थाने बुला रही है, तब वह भतीजे को लेकर थाने पहुंचा। थाने में गायब महिला के पक्ष की 4-5 महिलाएं मौजूद थीं। अमृत थाने में अंदर गया तो महिलाओं ने उसका गला पकड़ने की कोशिश की। बाद में अमृत को पुलिस एक कमरे में पूछताछ के लिए लेकर चली गई। मैं 5 मिनट तक बाहर खड़ा रहा। बाद में उन महिलाओं ने विरोध कर मुझे थाने से बाहर निकलवा दिया। जब में स्वागत कक्ष में जाकर बैठा तो मुझे वहां से भी बाहर भेज दिया गया।

दलपत ने बताया कि अमृत को ढाई घंटे तक वापस नहीं भेजा तो मैं थाने के अंदर गया और पुलिस वालों से कहा कि पूछताछ पूरी हो गई हो तो इसे भेज दीजिए। हमारा टिफिन सर्विस का काम है। टिफिन सप्लाई करने जाना है। इस पर पुलिस ने कहा कि आज इसे पट्टे मारेंगे तब सच बताएगा कि महिला को कहां गायब करवाया है, जबकि 12 जून को हुई पूछताछ में पुलिस को सबकुछ बता दिया था, कि महिला को गायब करने में इसका कोई रोल नहीं है। इस पर भी पुलिस ने अमृत को नहीं छोड़ा और मुझे थाने से भगा दिया। मैंने पुलिस से अमृत का मोबाइल मांगा था, लेकिन देने से मना कर दिया। मेरे वहां से रवाना होते समय अमृत ने मुझे अपना पर्स दिया था। मैं शाम करीब 4.30 बजे पाल शिल्पग्राम पहुंचा था तो अमृत के फोन से पुलिस ने मुझे फोन किया कि आप थाने आ जाओ इसने जहर खा लिया है। कहा कि सीधे एम्स आ जाओ इसे एम्स में एडमिट कराया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) वेस्ट नरेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया कि बासनी थाने में एक महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज थी, इस मामले में अमृतलाल संदिग्ध था, क्योंकि जब सीडीआर खंगाली गई थी तो सबसे ज्यादा फोन अमृत के फोन से किए गए थे। उसके फोन से 251 कॉल किए गए थे, भागने के बाद का लास्ट कॉल भी अमृत के मोबाइल पर ही किया गया था। उन्होंने बताया कि अमृत ने पूछताछ में बताया कि वह करीब 5 साल से उस महिला से बात करता है। थाने में जांच अधिकारी पूछताछ के बाद इधर-उधर हुए तो उसने जहर खा लिया, उसके बाद उसने पुलिस को बताया कि उसने जहर खा लिया है। उसके बाद उसे एम्स ले जाया गया। उन्होंने बताया कि एम्स लाने के बाद थाने के अंदर घटना होने के चलते जुडिशियल मजिस्ट्रेट को भी इन्फॉर्म किया गया था। वह भी एम्स हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उसके बयान रिकॉर्ड किए गए। उसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

देवड़ा ने कहा कि अब तक की जांच में सामने आया है कि जब उसने जहर खाया तो उसने पुलिस को बताया कि उस महिला ने उसे धोखा दे दिया था। इसके चलते उसे नहर चौराहे से जहर खरीदा था। जिस जगह घटना हुई थी, वहां पर कैमरे लगे हुए थे, जिसकी भी लापरवाही रही है वो रिकॉर्ड में आ जाएगी।

को-ऑपरेटिव बैंक ने सवा चार लाख लेकर फर्जी एफडीआर दी

श्रीगंगानगर में को-ऑपरेटिव मिनी बैंक की डूंगरसिंहपुरा ब्रांच का मामला

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में को-ऑपरेटिव मिनी बैंक की डूंगरसिंहपुरा ब्रांच में दो भाइयों को सवा चार लाख रुपए जमा कराने के बाद फर्जी एफडीआर थमा दी गई। जब दोनों भाई पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी भुनाने पहुंचे तो बैंक ने साफ मना कर दिया। अब बैंक मैनेजर विनोद कुमार समेत अन्य कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

- जब दोनों भाई पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी भुनाने पहुंचे तो बैंक ने साफ मना कर दिया, अब बैंक मैनेजर विनोद कुमार समेत अन्य कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया
- जांच कराई तो पता चला कि बैंक मैनेजर ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर पैसे हड़प लिए

गांव गणेशगढ़ निवासी सुनील कुमार ने लालगढ़ जाटान पुलिस स्टेशन में दी गई शिकायत में बताया कि 13 मई 2025 को उन्होंने और उनके भाई ने मिनी बैंक डूंगरसिंहपुरा में 4 लाख 24 हजार 72 रुपए की चार एफडीआर दो साल के लिए बनवाई थीं। बैंक मैनेजर विनोद कुमार ने भरोसा दिलाया था कि उनका बैंक अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज देता है। सुनील ने तीन और उनके भाई ने एक एफडी बनवाई। मैनेजर ने बैंक की मोहर लगाकर और हस्ताक्षर करके सभी एफडीआर सौंप दी। 4 मई को जरूरत पड़ने पर जब दोनों भाई एफडी तुड़वाने बैंक पहुंचे तो कर्मचारियों ने पहले टालमटोल किया। कभी कुछ दिन बाद आइए तो कभी दूसरे बहाना बनाते रहे।

आखिरकार बैंक ने कह दिया कि उनके यहां ऐसी कोई एफडीआर दर्ज ही नहीं है। जब सुनील कुम्हार और उनके भाई ने जांच कराई तो पता चला कि बैंक मैनेजर विनोद कुमार ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर उनके पैसे हड़प लिए और फर्जी एफडीआर बनाकर दे दिए। फिलहाल पुलिस ने शिकायत पर बैंक मैनेजर विनोद कुमार सहित अन्य कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एएसआई चैनसिंह कर रहे हैं।